पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

नववर्ष चेतना समिति द्वारा भारतीय नववर्ष का आयोजन
देश के इतिहास को प्रवचन तक सीमित न रखें - राज्यपाल

लखनऊः 21 मार्च, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज नववर्ष चेतना समिति द्वारा भारतीय नववर्ष पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भारतीय संस्कृति के आदर्शों को व्यवहार में लायें। भारतीय नववर्ष का दिन ऐतिहासिक है और अनेक महापुरूषों से जुड़ा हुआ है। हमारी संस्कृति पूरे विश्व को एक परिवार मानती है। आज का दिन ऐसे संकल्प को आगे ले जाने का दिन है। भारत युवाओं का देश है। युवाशक्ति को नयी दिशा देकर भारत महान शक्ति बन सकता है। जो देश अपना इतिहास भूलता है वह आगे तरक्की नहीं कर सकता। इतिहास को ध्यान में रखते हुये उसे प्रवचन तक सीमित न रखें। उन्होंने कहा कि अपने इतिहास को आत्मसात करें।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अरूणिमा सिन्हा, निःशक्त महिला पर्वतारोही को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री मनोज अग्रवाल, श्रीमती रेखा त्रिपाठी, श्री एल0पी0 मिश्रा, श्री अमित मिश्रा 'भाई जी', डा॰ ए0के0 सचान सहित अन्य लोगों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में पूर्व महापौर, डा॰ एस0सी0 राय, नववर्ष चेतना समिति के अध्यक्ष, डा॰ गिरीश गुप्ता सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कहा कि हमें अपनी परम्परा पर अभिमान होना चाहिए। गंगा की सफाई की जिम्मेदारी हमारी अपनी है। यह बात देश की सारी नदियों पर लागू होती है। नदियों का जहाँ से उद्गम होता है वहाँ से लेकर समुद्र में मिलने तक उनको स्वच्छ रखने की जरूरत है। उन्नाव में गंगा नदी में मिले शवों के बारे में जानकारी होने के बाद इस मसले को लेकर उन्होंने राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री से भी भेंट की। गंगा पवित्र है उसे शुद्ध भी बनाये। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें श्रद्धा से जुड़ी हैं इसलिए इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

श्री नाईक ने कहा कि योग हमारे देश का पुराना शास्त्र है, लेकिन विदेशों में लोग योग के महत्व को अब समझ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी योग के महत्व को समझकर 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। देश को आगे ले जाने के लिए हमें क्या करना है और कैसे करना है, इस पर विचार करें। उन्होंने कहा कि हमारे देश में प्रतिभा है और उस प्रतिभा का सही मार्ग दर्शन किया जाना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए सुश्री अरूणिमा सिन्हा ने कहा कि विकलांगता मन में होती है। यदि लक्ष्य बना लें तो रास्ते स्वयं निकल आते हैं। स्वयं अपने प्रेरक बने। सोच बदलनी होगी। जीतने का ज़ज्बा हो तो भाग्य बदल जाता है। उन्होंने कहा कि यही सोचकर उन्होंने एवरेस्ट की चोटी पर देश का झण्डा फहराया।

समारोह में डा॰ गिरीश गुप्ता, अध्यक्ष, नववर्ष चेतना समिति ने समिति के कार्यकलाप के बारे में विस्तार से चर्चा की। राज्यपाल ने इस अवसर पर समिति की पत्रिका नवचैतन्य का लोकार्पण भी किया।

विक्रमी सं. 2072
युगाब्द 5117
भारतीय नव वर्ष के शुभ अवसर
पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

विक्रमी सं. 2072
युगाब्द 5117
भारतीय नव वर्ष के शुभ अवसर
पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

विक्रमी सं. 2072
युगाब्द 5117
भारतीय नव वर्ष के शुभ अवसर
पर सांस्कृतिक कार्यक्रम
प्रख्यात भोजपुरी गायक एवं सांसद
मनोज तिवारी
दिनांक : 21 मार्च 2015, दिन : शनिवार, समय : सांय
स्थान : रामाधीन सिंह इण्टर
आयोजक :- नव वर्ष चेतना